ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या–८९
दिनांक– शुक्रवार, १८ दिसम्बर, २०२०

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमषः 23.0 एवं 11.5 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 96 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 66 प्रतिशत, हवा की औसत गति 6.5 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण 1.4 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाष अवधि औसतन 5.0 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 16.2 एवं दोपहर में 20.8 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(19–23 दिसम्बर, 2020)

- ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 19–23 दिसम्बर तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–
- पूर्वानुमान की अवधि में उत्तर बिहार के कुछ जिलों में आसमान में हल्के बादल रह सकते हैं। इस दौरान मौसम के शुष्क रहने का अनुमान है। सुबह में हल्के से मध्यम कुहासा छा सकता है। दिन में मौसम साफ रहने की संभावना है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान 21 से 22 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। पूर्वानुमानित अवधि में न्युनतम तापमान में भारी गिरावट आ सकती है। यह 7–9 डिग्री सेल्सियस के बीच बने रहने की संभावना है।
- पूर्वानुमानित अवधि में पछिया हवा चलने का अनुमान है। औसतन 7–9 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से हवा चलने की संभावना है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 80 से 90 प्रतिशत तथा दोपहर में 40 से 50 प्रतिशत रहने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- सब्जियों में निकाई–गुड़ाई एवं आवष्यकतानुसार सिंचाई करें। सब्जियों की फसल जैसे मटर, टमाटर, बैगन, मिर्च में फल छेदक कीट का प्रक्रोप दिखने पर स्पिनोसेड 48 ई0सी0 / 1 मि0ली0 प्रति 4 ली0 पानी या क्वीनलफॉस 25 ई0सी0 दवा का 1.5 से 2 मि0ली0 प्रति लीटर की दर से छिड़काव करें।
- गेहुँ की 21–25 दिनों की फसल में प्रति हेक्टेयर 30 किलोग्राम नेत्रजन उर्वरक का व्यवहार करें। पहली सिंचाई के बाद गेहूँ की फसल में कई प्रकार के खर–पतवार उग आते है। यह गेहूँ की बुआई के 30 से 35 दिनों के बाद की अवस्था है। इन खरपतवारों का विकास काफी तेजी से होता है और ये गेहूँ की बढ़वार को प्रभावित करती है। जिससे उपज प्रभावित होता है। इन सभी प्रकार के खरपतवारों के नियंत्रन हेतु सल्फोसल्फयुरॉन 33 ग्रम प्रति हेक्टर एवं मेटसल्फयुरॉन 20 ग्रम प्रति हेक्टर दवा 500 लीटर पानी में मिलाकर खड़ी फसल में पर छिड़काव करें।
- गेहूँ की पिछात किस्मों की बुआई करें। इसके लिए पी0बी0डब्लू0 373, एच0डी0 2285, एच0डी0 2643, एच0यू0डब्लू0 234, डब्लू0आर0 544, डी0बी0डब्लू0 14, एन0डब्लू0 2036, एच0डी0 2967 तथा एच0डब्लू0 2045 किस्में इस क्षेत्र के लिए अनुषसित हैं। प्रति किलोग्राम बीज को 2.5 ग्राम बेबीस्टीन की दर से पहले उपचारित करें। पुनः बीज को क्लोरपायरिफॉस 20 ई0सी0 दवा का 8 मि0ली0 प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करें। बुआई के पूर्व खेत की जुताई में 40 किलोग्राम नेत्रजन, 40 किलोग्राम फॉसफोरस एवं 20 किलोग्राम पोटास प्रति हेक्टेयर डालें। जिन क्षेत्रों में फसलों में जिंक की कमी के लक्षण दिखाई देती हो वैसे क्षेत्रों के किसान खेत की अन्तिम जुताई में जिंक सल्फेट 25 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करें। छिटकबाँ विधि से बुआई के लिए प्रति हेक्टेयर 150 किलोग्राम तथा सीड ड्रील से पंक्ति में बुआई के लिए 125 किलोग्राम बीज का व्यवहार करें। बुआई पूर्व खेतों की हल्की सिंचाई अवष्य करें ताकि बीजों का समुचित जमाव सुनिष्चित हो सके।
- अगात बोयी गई रबी मक्का की 50–55 दिनों की फसल में 50 किलोग्राम नत्रजन का उपरिवेषन कर मिट्टी चढ़ाने का कार्य करें। फसल में नियमित रुप से कीट एवं रोग–व्याधी की निगरानी करें।
- हवा में अधिक नमी के कारण आलू, टमाटर, मटर एवं अन्य सब्जियों वाली फसल में अगेती झुलसा रोग की संभावना रहती है। अतः फसल की नियमित रुप से निगरानी करें। अगात झुलसा रोग का प्रकोप फसल में दिखने पर इसके बचाव हेतु 2.5 ग्राम डाई–इथेन एम0 45 फफूँदनाषक दवा का प्रति लीटर पानी की दर से घोल बना कर छिड़काव करें।
- प्याज के 50–55 दिनों के तैयार पौध की रोपाई करे। पॉक्ति से पॉक्ति की दुरी 15 से0मी0, पौध से पौध की दुरी 10 से0मी0 पर रोपाई करे। खेत की तैयारी में 15 से 20 टन गोबर की खाद, 60 किलोग्राम नेत्रजन, 80 किलोग्राम फॉसफोरस, 80 किलोग्राम पोटास तथा 40 किलोग्राम सल्फर प्रति हेक्टेयर का व्यवहार करें।
- दूधारु पशुओं के रख–रखाव पर विषेष घ्यान दें। इनमें दुग्ध उत्पादन बढ़ाने हेतु हरे एवं शुष्क चारे के मिश्रण के साथ नियमित रुप से 50 ग्राम नमक, 50 से 100 ग्राम खनिज मिश्रण प्रति पशु एवं दाना खिलावें। बिछावन के लिए सुखी घास या राख का उपयोग करें।
- आलू की फसल में निकौनी करें। निकौनी के बाद प्रति हेक्टेयर 75 किलोग्राम नेत्रजन उर्वरक का उपरिवेषन कर आलू में मिट्टी चढ़ाने का कार्य करें। आलू में कीट–व्याधी की निगरानी करें।

आज का अधिकतम तापमानः 18.8 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 5.3 डिग्री कम	आज का न्यूनतम तापमानः 8.2 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 0.8 डिग्री कम

(डॉ0 गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी

(डॉ0 ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी